गॉली बहनें पश्चिम गईं

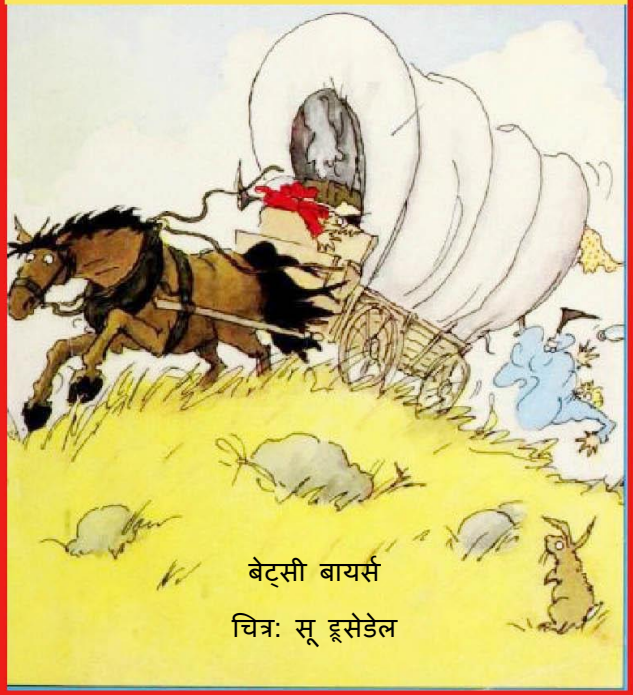

बेट्सी बायर्स

चित्र: सू ट्रूसेडेल

गॉली बहनें पश्चिम गईं

विषयसूची

गॉली बहनें पश्चिम गईं

गॉली बहनों ने एक शो किया

गॉली बहनें खो गईं

घोड़े ने एक शो किया

मे-मे की टोपी खो गई

गॉली बहनें डर गईं

गॉली बहनें पश्चिम गईं

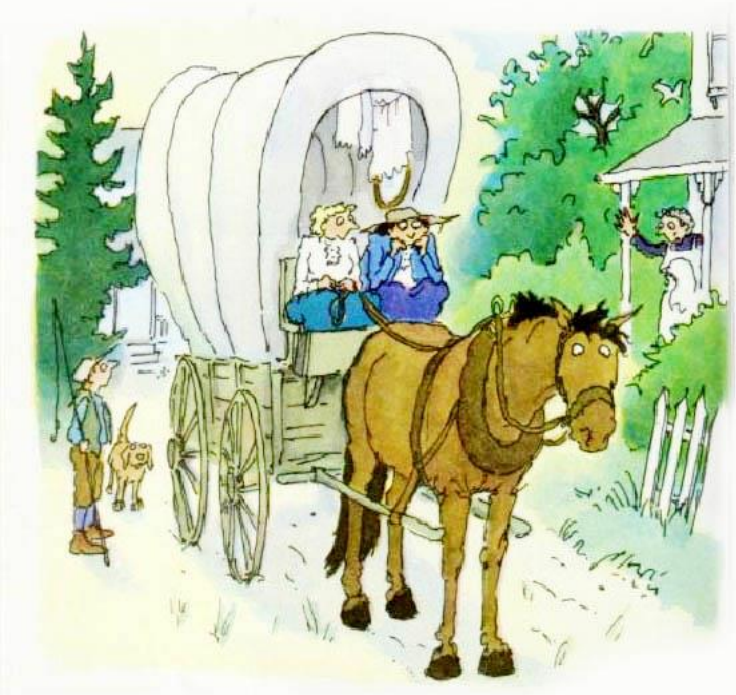

गॉली बहनें अपनी बग्घी में बैठीं.

वे पश्चिम की ओर जा रही थीं.

"चलो," मे-मे ने घोड़े से कहा.

लेकिन घोड़ा आगे नहीं बढ़ा.

"इस घोड़े ने मुझे पागल बना दिया है," मे-मे ने कहा.

"हमारी वैगन तैयार है.

हमारे गीत और नृत्य तैयार हैं.

और घोड़ा है कि आगे ही नहीं बढ़ रहा है."

"वो मुझे भी पागल करता है," रोज़ ने कहा.

"इस घोड़े के साथ कुछ तो गड़बड़ है."

रोज़ बग्घी से उतर गई.

मे-मे भी उतर गई.

वे घोड़े के चारों ओर घूमे.

"क्या तुम्हें कुछ ग़लत दिख रहा है?"
मे-मे ने पूछा.

"नहीं, लेकिन कुछ गड़बड़ ज़रूर है," रोज़ ने कहा.

"जब हम कहते हैं, 'बढ़ो' तो घोड़ा आगे नहीं जाता है."

"और अगर घोड़ा नहीं चलेगा, तो हम कहीं नहीं पहुंचेंगे," मे-मे ने कहा.

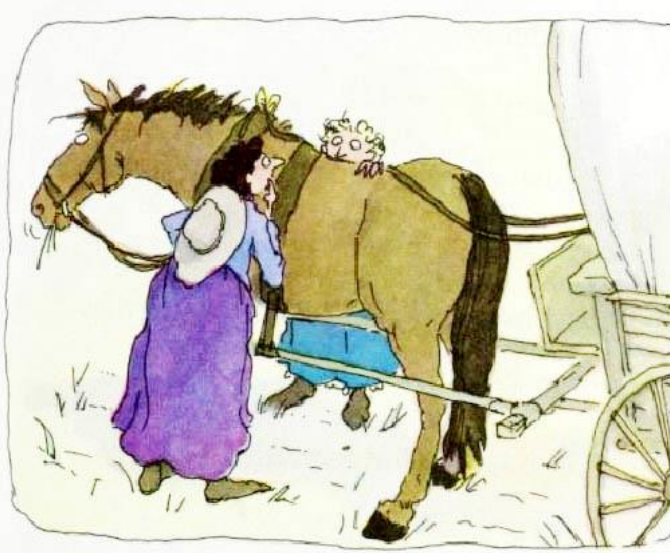

अचानक रोज़ ने कहा,

“बहन! मुझे अभी कुछ याद आया.

'जाओ' के लिए एक विशेष 'घोड़ा शब्द' है."

"एक घोड़ा शब्द?" मे-मे ने कहा.

"वो क्या है?"

"गिड्डी-अप!" रोज़ ने कहा.

फिर घोड़ा आगे बढ़ा.

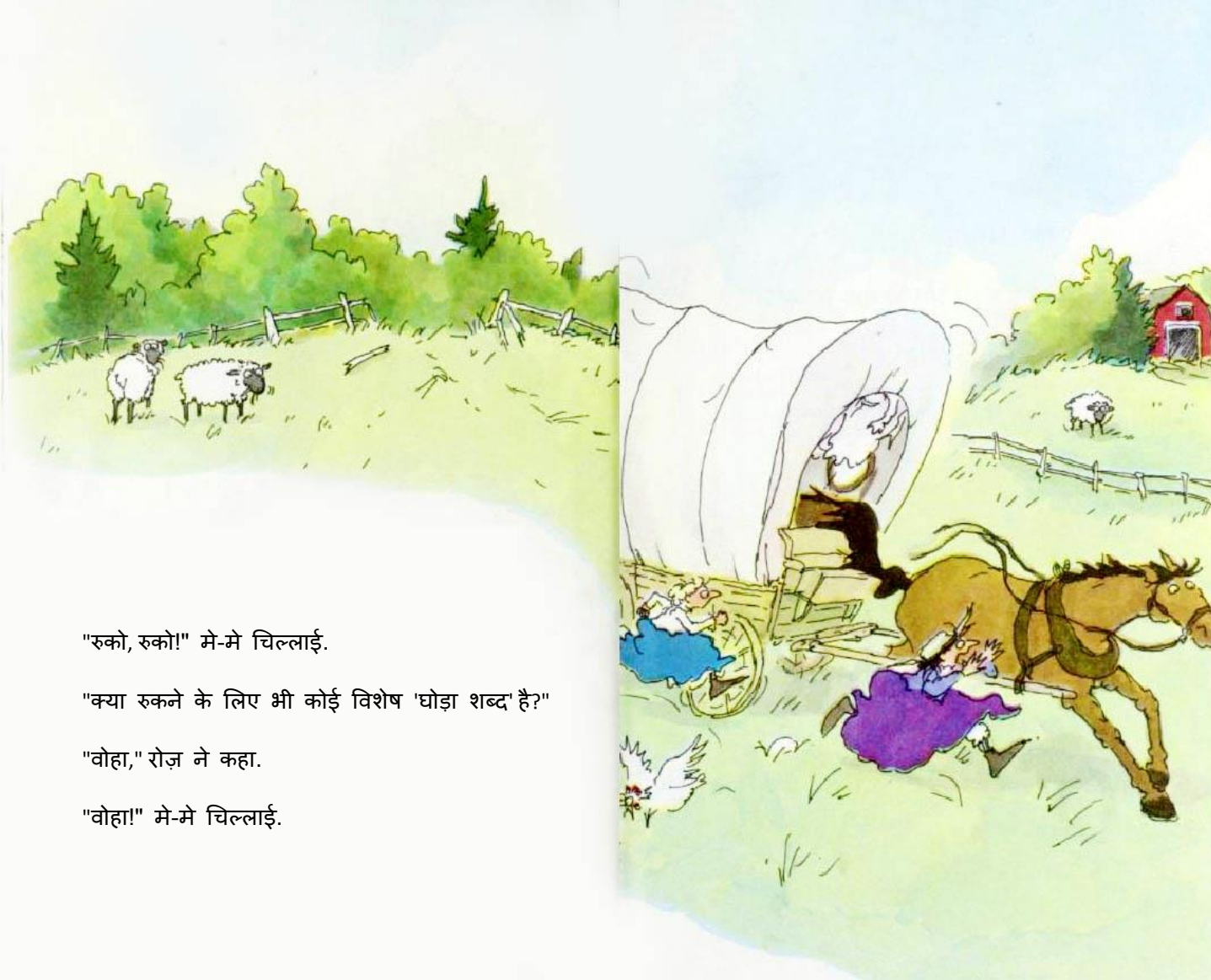

"रुको, रुको!" मे-मे चिल्लाई.

"क्या रुकने के लिए भी कोई विशेष 'घोड़ा शब्द' है?"

"वोहा," रोज़ ने कहा.

"वोहा!" मे-मे चिल्लाई.

घोड़ा रुक गया.

बहनें वैगन में चढ़ गईं.

रोज़ ने बागडोर संभाली.

"गिड्डी-अप, घोड़े," उसने कहा.

घोड़ा चलने लगा.

मे-मे ने कहा,

"अब जब हम सही शब्द जानते हैं,
तो हम पश्चिम जा सकते हैं."

"हाँ," रोज़ ने कहा.

"हम रास्ते में हैं!"

गॉली बहनों ने एक शो किया

गॉली बहनें का वो पहला शो था.

उन्होंने पर्दे के चारों ओर झाँककर देखा.

वहाँ पुरुष और महिलाएँ थीं.

बच्चे वहां थे.

यहाँ तक कि वहाँ कुत्ते भी थे.

"अरे, मैं तैयार हूँ!" मे-मे ने कहा.

“तुम पर्दा खोलो, मैं पहले जाऊँगी.”

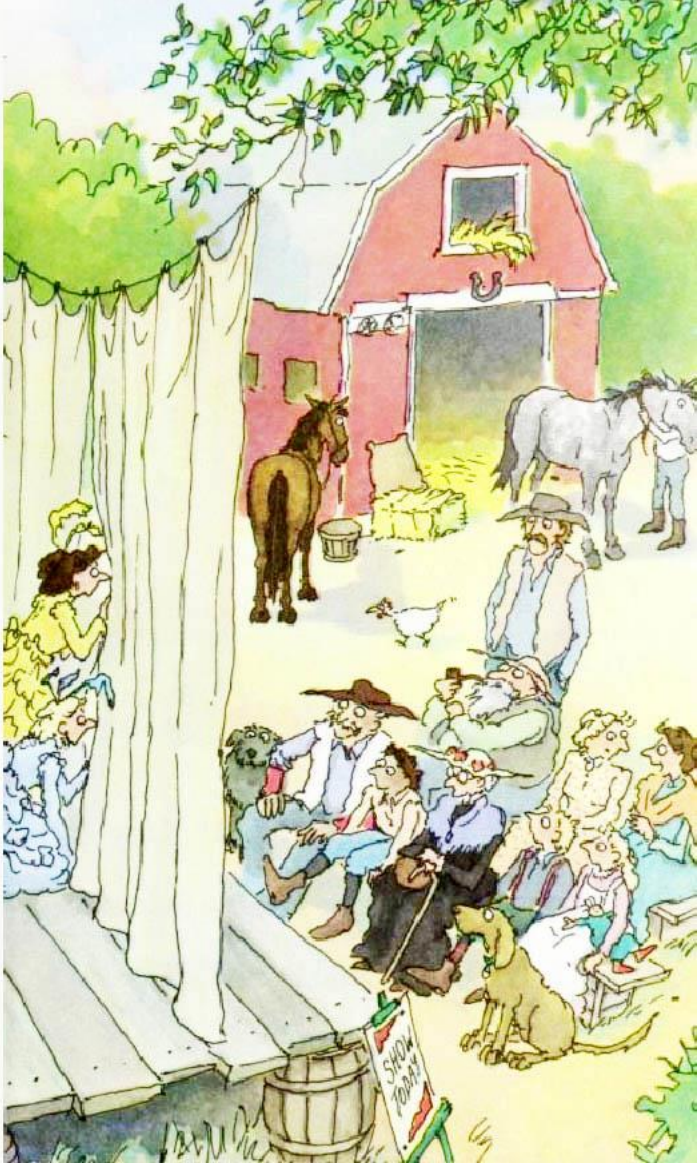

"मैं पहले जाना चाहती हूँ," रोज़ ने कहा.

"क्योंकि तुम्हें अभी नीली पोशाक पहननी है,

इसलिए मैं पहले जाऊंगी," मे-मे ने कहा.

"मुझे नीली पोशाक पहननी है

क्योंकि तुम नीली पोषक में अजीब लगती हो," रोज़ ने कहा,

"कौन कहता है कि मैं नीले रंग में अजीब दिखती हूं?" मे-मे ने पूछा.

"हर कोई!" रोज़ ने कहा.

"मुझे एक ऐसे व्यक्ति का नाम बताओ?

कौन कहता है कि मैं नीले रंग में अजीब दिखती हूं."

"हर कोई!" गुलाब ने कहा.

"मैं यह जानती थी," मे-मे ने कहा.

"तुम एक भी ऐसे व्यक्ति
को नहीं जानती हो."

"मैं सोच सकती हूँ."

"नही तुम नहीं सोच सकती!"

"मैं सोच सकती हूं!"

"तो नाम बताओ?"

"हम्म्म्म, मुझे सोचने दो," रोज़ ने कहा.

"देखो! ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं है.

वो स्वीकार करो! उसे स्वीकार करो!" मे-मे चिल्लाई.

"ठीक है, मैं वो स्वीकार करती हूँ," रोज़ ने कहा.

“हम दोनों एक-साथ जायेंगे.

हम एक-साथ गाएंगे और नाचेंगे."

फिर रोज़ ने पर्दा खींचा.

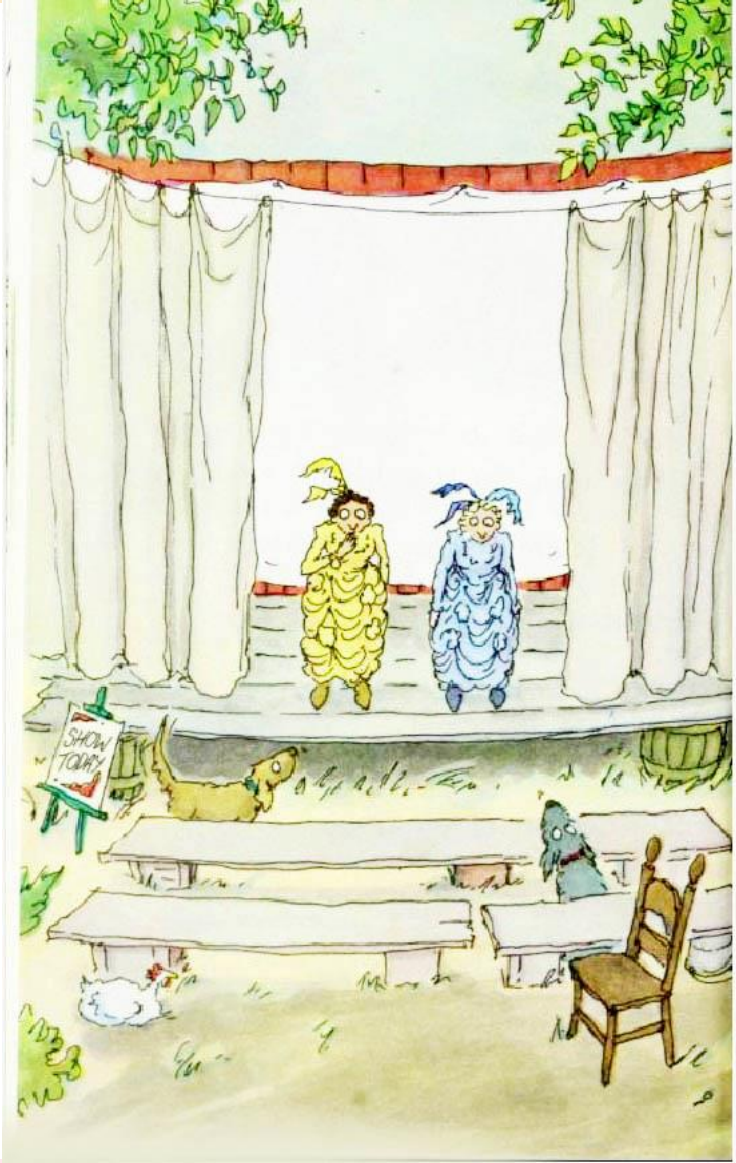

"ओह, प्रिय," मे-मे ने कहा,

"सभी लोग थककर अपने-अपने घर चले गए.

क्या तुम रोने वाली हो, रोज़?"

"नहीं," रोज़ ने कहा.

"हर कोई अपने घर नहीं गया है.

कुत्ते अभी भी यहीं हैं."

"दीदी, क्या हम कुत्तों के लिए शो करेंगे?"

"मैं करूंगी," रोज़ ने कहा.

"तो फिर मैं भी शो करूंगी," मे-मे ने कहा.

फिर मे-मे और रोज़ ने

कुत्तों के लिए एक शो किया.

गॉली बहनें खो गईं

"वो बेहतरीन है!" मे-मे ने कहा.

"निश्चित तौर पर," रोज़ ने कहा.

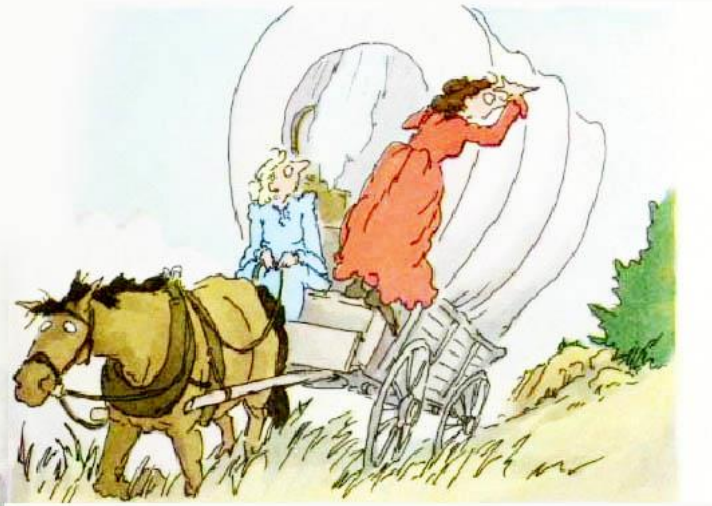

"हम खो गए हैं," मे-मे ने कहा.

रोज़ ने कहा, "मुझे उस बात का डर था."

"क्या तुम चिंतित हो, मे-मे?"

"नहीं. खो जाने पर क्या करना है वो मुझे पता है."

"क्या तुम्हें पता है?" रोज़ ने पूछा.

"पहले," मे-मे ने कहा,

"तुम वैगन में पीछे बैठो.

दूसरा,

एक कप चाय बनाओ. तीसरा-"

“रुको, मे-मे, मुझे घोड़ा रोकने दो.

जब घोड़ा चल रहा हो तो मैं चाय नहीं बना सकती."

"नहीं!" मे-मे कहा.

"घोड़े को मत रोको.

वो तीसरी बात है.”

"क्या कोई चौथी बात भी है?" रोज़ ने पूछा.

"हाँ!" मे-मे कहा. "गाओ!

तुम शुरू करो, रोज़."

"ठीक है," रोज़ ने कहा.

"मैं गाऊंगी

'खोई गॉली बहनें.'

वो गीत हमारे बारे में है."
रोज़ ने गाया.

''अब मेरी बारी है,''
मे-मे ने कहा.

'मैं बहादुर गॉली बहनें
गाऊँगी.'

वो भी हमारे बारे में भी है."

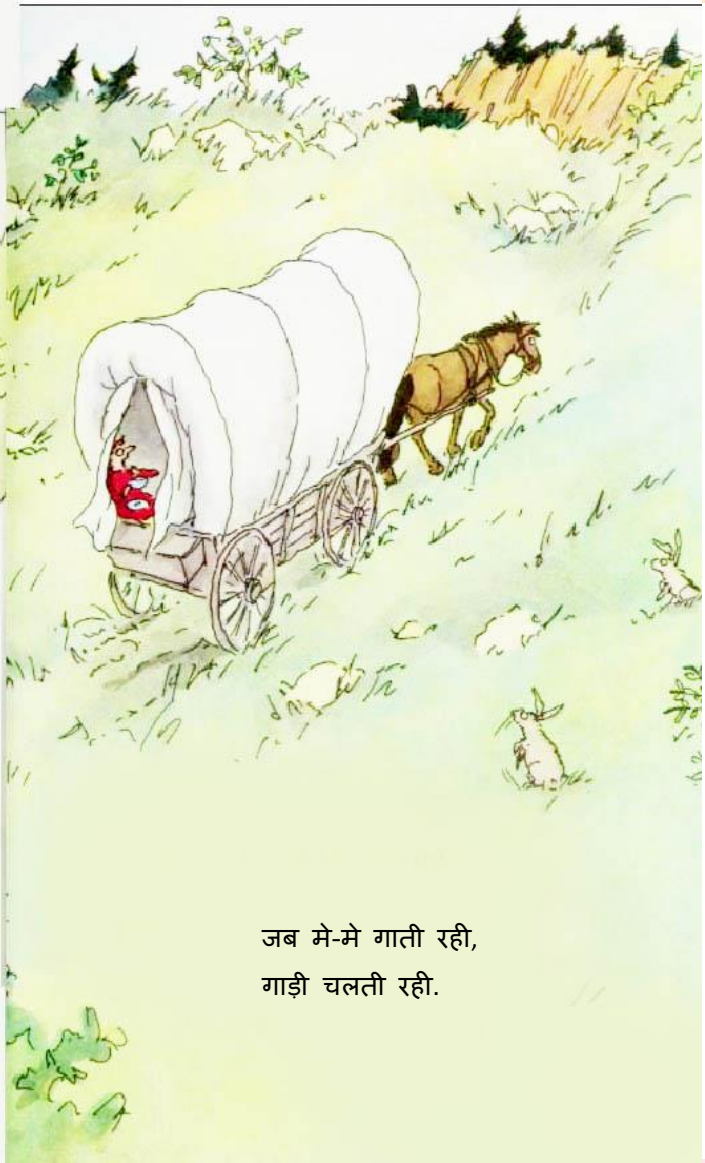

जब मे-मे गाती रही,
गाड़ी चलती रही.

"मुझे आश्चर्य है कि क्या हम अभी भी खोये हुए हैं?" मे-मे ने पूछा.

"मैं जाँच करूँगी," रोज़ ने कहा.

तभी उन्हें ताली बजने की आवाज सुनाई दी.

उन्होंने वैगन से बाहर देखा.

फिर रोज़ ने गाया, उसके बाद मे-मे ने गाया.

फिर उन्होंने एक साथ गाना गाया.

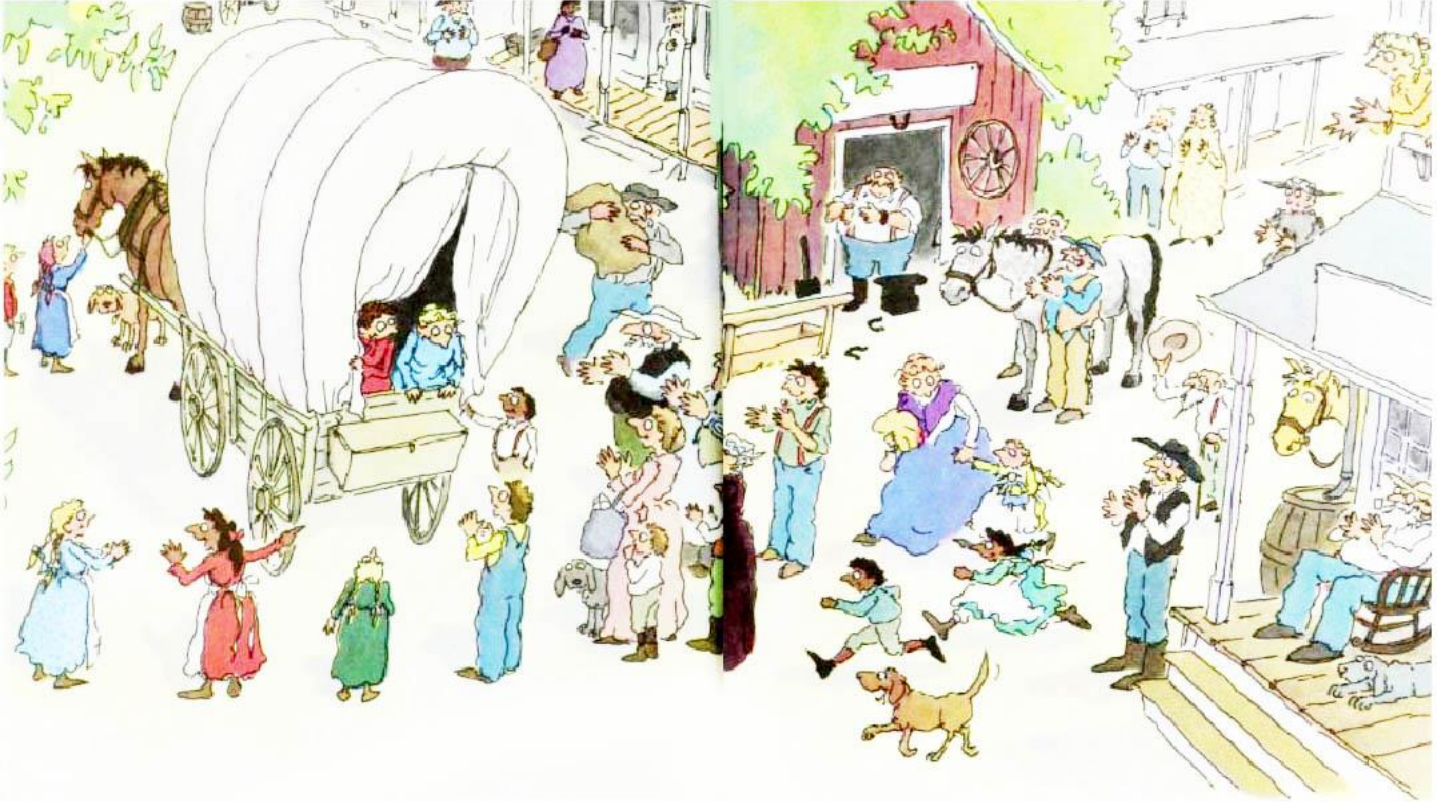

वे एक शहर के बीच में थीं.

वहाँ पुरुष और महिलाएँ थीं.

वहाँ बच्चे और कुत्ते भी थे.

"हमने एक शो किया!" मे-मे ने कहा.

"एक अद्भुत शो!" गुलाब ने कहा.

"हमें और अधिक बार खोना चाहिए!"

गॉली बहनें झुक गईं.

"धन्यवाद, धन्यवाद," उन्होंने कहा.

"मैं चाहती हूं कि हमारा घोड़ा भी
शो में नृत्य करे," मे-मे ने कहा.

"नहीं, मे-मे," रोज़ ने कहा,
"घोड़ा नृत्य नहीं कर सकता."

"मुझ पर विश्वास करो, रोज़. तुम बस कहना -

यह मेरी बहन मे-मे है,

और यह उसका नाचने वाला घोड़ा है

फिर बाकी काम मैं और घोड़ा करेंगे.

"उसे एक मौका दो, रोज़.

याद है हमने कब शुरुआत की थी?

किसी ने नहीं सोचा था कि हम नृत्य कर पाएंगे.

किसी ने नहीं सोचा था कि हम गा पाएंगे."

"मे-मे, हमारा घोड़ा नाच नहीं सकता है!"

उस रात मे-मे घोड़े पर सवार हुई.

"हम तैयार हैं," उसने कहा.

रोज़ ने लोगों से कहा,

"यह मेरी बहन, मे-मे और उसका
नाचने वाला घोड़ा है."

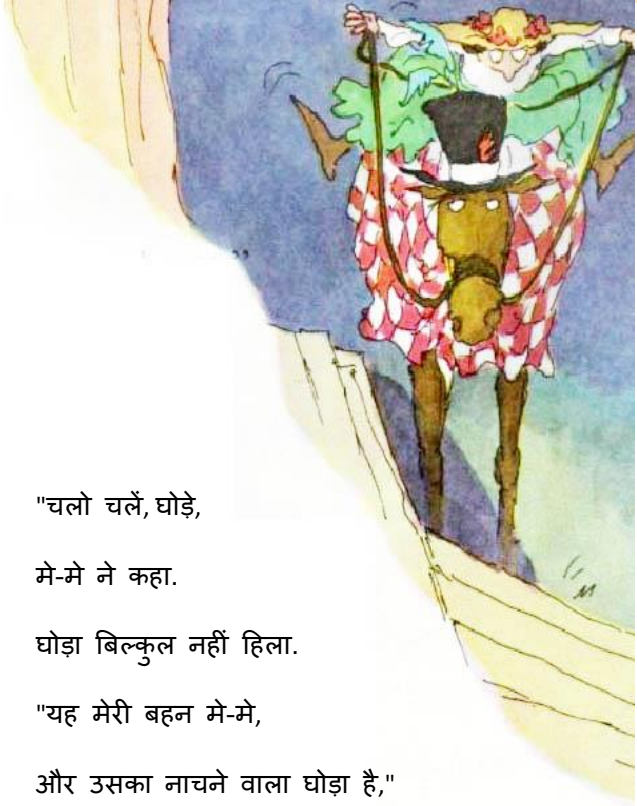

"चलो चलें, घोड़े,

मे-मे ने कहा.

घोड़ा बिल्कुल नहीं हिला.

"यह मेरी बहन मे-मे,

और उसका नाचने वाला घोड़ा है,"

रोज़ ने फिर कहा.

"चलो, घोड़े," मे-मे ने कहा.

लेकिन घोड़ा बिल्कुल नहीं हिला.

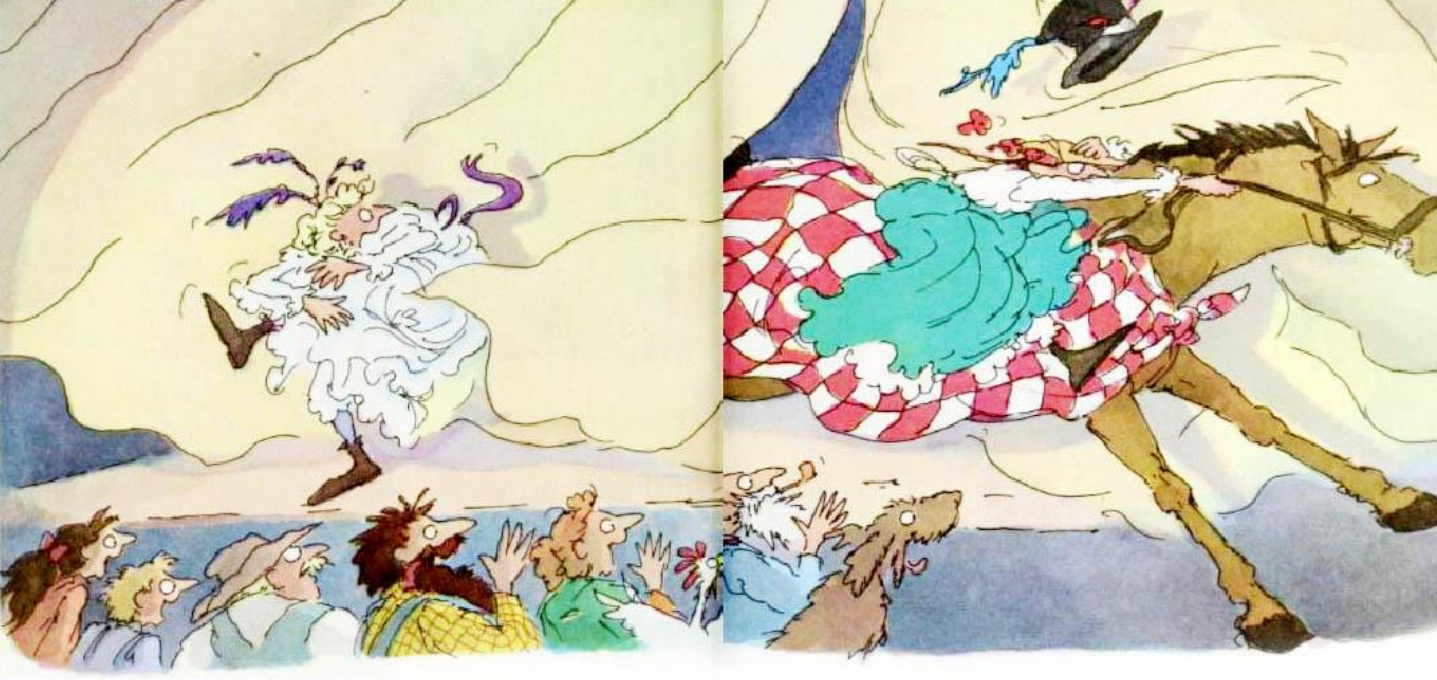

रोज़ ने कहा, "जबकि हम इंतज़ार कर रहे हैं

मे-मे और उसके नाचते घोड़े के लिए,

तब तक मैं एक गाना गाऊंगी."

जब मे-मे ने सुना,

उसने कहा, "गिड्डी-अप!"

फिर घोड़ा दौड़ा!

वो दोनों मंच पर कूदे.

फिर वे मंच से नीचे कूद गये.

मे-मे चिल्लाई, "ईईईईईईई!"

घोड़ा पूरे शहर में दौड़ा.

घोड़ा शहर से बाहर भाग गया.

"ठीक है, वो बहुत बुरा हुआ,"
रोज़ ने कहा.

"अब से घोड़ा नहीं नाचेगा.

मे-मे भी नहीं नाचेगी.

लेकिन चिन्ता की कोई बात नहीं.

मैं उसके गाने गाऊँगी और नृत्य करूंगी."

देर रात, मे-मे वापस आई.

वो अपने बिस्तर पर गिर पड़ी.

"दीदी, आप सही थीं," उसने कहा.

"घोड़ा नाच नहीं सकता है."

मे-मे की टोपी खो गई

"मे-मे, क्या तुम तैयार हो?" गुलाब ने पूछा.

"नहीं मैं तैयार नहीं हूँ!" मे-मे ने कहा.

"मेरा गाना 'मेरी लाल टोपी,' है"

और अब मुझे अपनी लाल टोपी मिल नहीं रही है!"

"क्या तुम चाहती हो कि मैं पहले जाऊं?"
रोज़ ने पूछा.

"ठीक है, लेकिन उससे मुझे गुस्सा आएगा.

क्योंकि पहले जाने की बारी मेरी थी."

जब रोज़ गा रही थी, तब मे-मे अपनी टोपी ढूँढ़ रही थी.

जब रोज़ मंच से उतरीं,

मे-मे अभी भी अपनी टोपी ढूंढ रही थी.

"मुझे मेरी टोपी चाहिए!" वो चिल्लाई.

"क्या तुमने मेरे बिस्तर के नीचे देखा?"
रोज़ ने पूछा.

"मेरी टोपी तुम्हारे बिस्तर के नीचे क्यों होगी?"
मे-मे ने पूछा.

उसने रोज़ के बिस्तर के नीचे देखा.

टोपी वहां पर थी!

"अब मैं सचमुच में गुस्से से पागल हूँ,"
मे-मे ने कहा.

"तुमने मेरी टोपी छिपा दी थी!"

“कोई नुकसान नहीं हुआ, मे-मे.

अब तुम गा सकती हो," रोज़ ने कहा.

"मैं सबसे पहले गाना चाहती थी!

पहले! पहले!" मे-मे चिल्लाई.

"रुको!" रोज़ चिल्लाई.

"तुम मेरे बाल कुचल रही हो.

मे-मे, तुरंत रुको!"

मे-मे रुक गई

और उसने अपनी टोपी की ओर देखा.

"रोज़!" उसने कहा.

"मैं पहले नहीं गा नहीं सकी

क्योंकि मुझे अपनी टोपी नहीं मिली.

अब मैं इसलिए नहीं गा सकती

क्योंकि किसी ने मेरी टोपी कुचल दी है."

"मेरे बाल भी," रोज़ ने कहा.

"रोज़," मे-मे ने कहा,

"लोगों को बताओ

कि मैं अब एक उदास नृत्य करूँगी,

'कुचली हुई टोपी का नृत्य.'

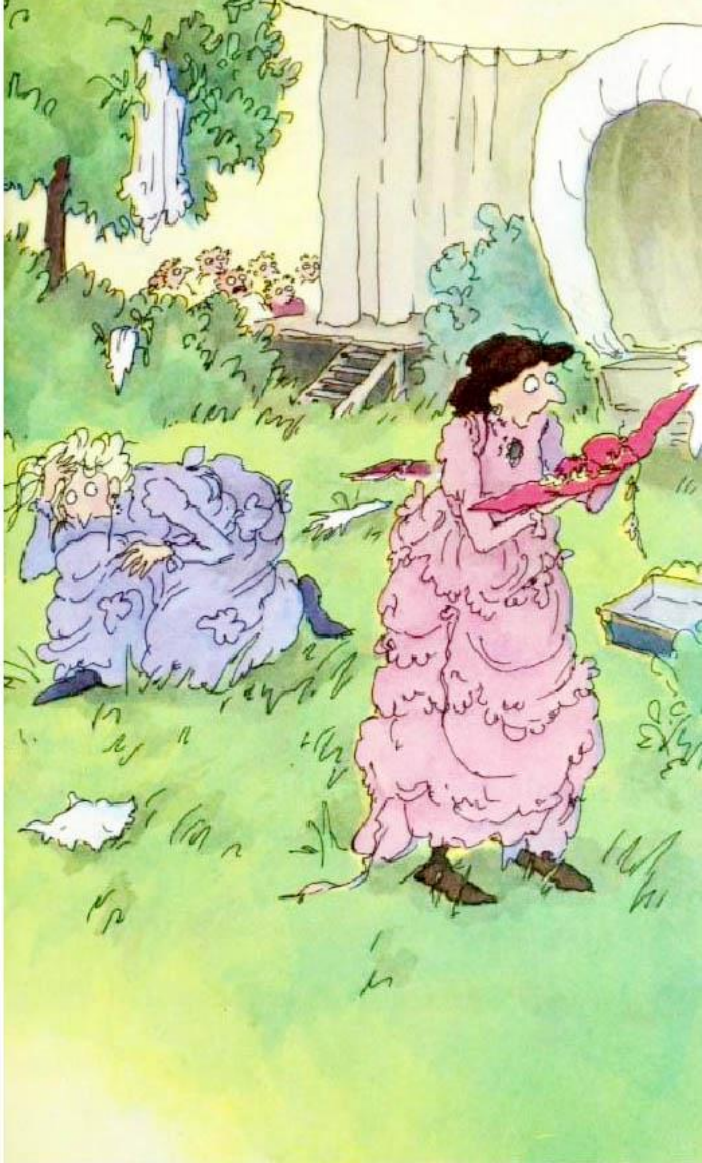

"दर्शकों," रोज़ ने कहा, "यह मे-मे है

और वो 'कुचली हुई टोपी का नृत्य' करेगी.

मे-मे नाची.

लोग तालियाँ बजाने लगे.

मे-मे अपनी बहन की ओर मुड़ी.

"मैंने तुम्हें माफ कर दिया. रोज़," उसने कहा.

"मैंने भी तुम्हें माफ कर दिया है," रोज़ ने कहा.

गॉली बहनें डरी गईं

वो एक काली रात थी.

आसमान में चाँद नहीं था.

"मुझे कुछ सुनाई दे रहा है," मे-मे ने कहा.

"हमारी वैगन के बाहर कुछ है."

"अब हम क्या करें?" रोज़ ने पूछा.

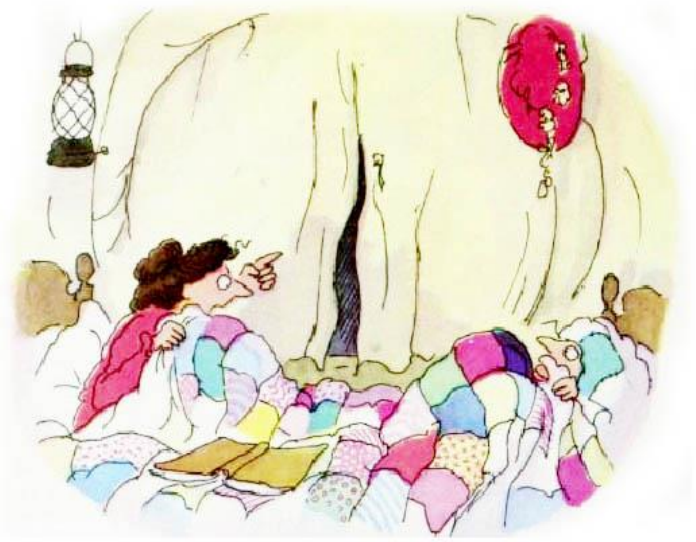

"हम में से किसी एक को बाहर जाना होगा,"
मे-मे ने कहा.

"मैंने शोर सुना है, इसलिए तुम जाओ."

"मैं क्यों जाऊं? वो तुम्हारा शोर है,"
रोज़ ने कहा.

"क्या मुझे ही सब कुछ करना होगा?"
मे-मे ने पूछा.

"मैं नहीं जाऊंगी," रोज़ ने कहा.

मे-मे ने कहा, "तो फिर मैं भी नहीं जाऊंगी."

"बिल्कुल नहीं!"

"ठीक है!" रोज़ ने कहा.

मे-मे उठ बैठी.

"हमारा पहला शो याद है, रोज़?

याद है हमने कैसे हंगामा किया था क्योंकि तुमने कहा था कि मैं नीले रंग में अजीब दिखती हूँ?"

"हाँ, मुझे याद है," रोज़ ने कहा.

"मुझे याद है कि हम इतनी देर तक हंगामा करते रहे थे कि सभी लोग अपने-अपने घर चले गए."

"शायद हमने उसी बात को फिर दोहराया है," मे-मे ने कहा.

“अब मुझे कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा है, क्यों?”

"मुझे भी कुछ सुनाई नहीं दे रहा है," रोज़ ने कहा.

मे-मे ने कहा,

"रोज़, हमें फिर कभी लड़ना नहीं चाहिए, जब तक..

"जब तक हम अपने वैगन के बाहर
कुछ नहीं सुनते," रोज़ ने कहा.

"रोज़, मैं भी यही कहने जा रही थी.

तुमने मेरी बात ख़त्म ही नहीं होने दी!

तुमने क्या कहा - "

"मे-मे?"

"क्या?"

"गुड-नाईट."

"गुड-नाईट, रोज़."

अंत

और फिर चाँद निकल आया.

और तारे चमक उठे.

और गॉली बहनें सो गईं.